भारत सरकार
ग्रामीण विकास मंत्रालय
ग्रामीण विकास विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 3951
(25 मार्च, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए)

आजीविका ग्रामीण एक्सप्रेस योजना का कार्यान्वयन

3951. डॉ. बायरेड्डी शबरी:

क्या **ग्रामीण विकास मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विगत पांच वर्षों के दौरान आजीविका ग्रामीण एक्सप्रेस योजना (एजीईवाई) के अंतर्गत चयनित ब्लॉकों का आन्ध्र प्रदेश सहित राज्य और जिलावार ब्यौरा क्या है;

(ख) विगत पांच वर्षों के दौरान एजीईवाई के अंतर्गत स्वीकृत , उपयोग और जारी की गई कुल निधि का आंध्र प्रदेश सहित राज्यवार ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने एजीईवाई के कार्यान्वयन के लिए राज्य , जिला और ब्लॉक स्तरों पर कर्मचारियों के लिए कोई क्षमता-निर्माण कार्यक्रम आयोजित किए हैं और यदि हां , तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या सरकार ने एजीईवाई की समग्र प्रगति और प्रभाव का आकलन करने के लिए कोई अध्ययन या मूल्यांकन किया है और यदि हां , तो तत्संबंधी राज्यवार विशेषकर आंध्र प्रदेश का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
ग्रामीण विकास राज्य मंत्री
(डॉ. चंद्र शेखर पेम्मासानी)

(क) आजीविका ग्रामीण एक्सप्रेस योजना (एजीईवाई) वर्ष 2017 में दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (डीएवाई-एनआरएलएम) की केंद्र प्रायोजित योजना के तहत शुरू की गई एक उप-योजना है , जिसका उद्देश्य पिछड़े ग्रामीण क्षेत्रों में सार्वजनिक परिवहन सेवाओं के संचालन की सुविधा प्रदान करके स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के सदस्यों को आजीविका का एक वैकल्पिक स्रोत प्रदान करना है। इस योजना के तहत वाहन पिछड़े और दूरदराज के ग्रामीण क्षेत्रों में परिवहन की जरूरतों और स्थानीय यात्रियों को सेवाएं प्रदान करने तथा माल की ढुलाई की मांग को पूरा करने के लिए चलाए जाते हैं। स्वयं सहायता समूहों और समुदाय आधारित संगठनों (सीबीओ) के समूहों के सदस्य एजीईवाई के

लाभार्थी हैं। एजीईवाई को 25 राज्यों के 211 जिलों के 359 ब्लॉकों में मंजूरी दी गई है। एजीईवाई के तहत कुल 2297 वाहनों को मंजूरी दी गई है। हालांकि , पिछले पांच वर्षों के दौरान एजीईवाई के तहत कोई नया ब्लॉक मंजूर नहीं किया गया है।

(ख) इस योजना में ब्याज मुक्त वित्तीय सहायता के साथ 3-पहिया या 4-पहिया वाहन खरीदने का प्रावधान है और इसमें सामुदायिक निवेश निधि (सीआईएफ) से ऋण सहायता का प्रावधान है जो पहले से ही डीएवाई -एनआरएलएम के तहत देश भर में एसएचजी को प्रदान किया गया है। इस योजना के लिए कोई अलग से वित्तपोषण नहीं था। एजीईवाई के तहत स्वीकृत वाहनों का राज्य/जिला/ब्लॉक-वार विवरण मंत्रालय के पोर्टल: nrlm.gov.in पर उपलब्ध है।

(ग) एजीईवाई के अंतर्गत कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा जिलों और ब्लॉकों में चलाए जाते हैं।

(घ) नवंबर 2022 में राष्ट्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज संस्थान (एनआईआरडी एंड पीआर) द्वारा एक प्रभाव अध्ययन किया गया था। प्रमुख निष्कर्ष इस प्रकार हैं -
(i) आउटरीच के संदर्भ में , एजीईवाई वाहनों ने अध्ययन ब्लॉकों में गांव के दूरदराज के इलाकों को परिवहन सुविधा के साथ जोड़ा है। इसके अलावा , वाहनों की अच्छी पहुंच थी और लक्षित लाभार्थियों को वितरित किए गए। विशेष रूप से , अध्ययन के परिणामों से पता चला कि अधिकांश वाहन समाज के पिछड़े और सामाजिक-आर्थिक रूप से गरीब वर्ग को आवंटित किए गए हैं।

(i i) लक्षित समुदायों के लिए अन्य सेवाओं तक पहुंच के संदर्भ में 46% उत्तरदाताओं ने महसूस किया कि इस योजना ने दूरदराज के स्थानों को जोड़कर सस्ती परिवहन सेवाएं प्रदान की हैं, 38% ने प्रतीक्षा समय में बचत की है , 45% उत्तरदाताओं ने बाजार में माल ले जाने में समय पर सुविधा का उल्लेख किया है, और 38% उत्तरदाताओं को आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं में बडी सहायता प्राप्त हुई है।

(i i i) इस योजना ने महिलाओं को अपनी क्षमताएं विकसित करने और अपने ड्राइविंग कौशल का उपयोग करने का अवसर भी प्रदान किया। अध्ययन में पाया गया कि वाहनों के लिए ड्राइवर के रूप में महिलाओं की भूमिका अपने आप में समाज में एक अभूतपूर्व बदलाव है, जो सामाजिक निषेधों को तोड़ता है और उनके लिए असीमित सीमाएं साबित करता है , और सफलता के नए रास्ते प्राप्त करता है।

(i v) यह योजना ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बेहतर बनाने में सफल रही है , जिसके परिणामस्वरूप ग्रामीण महिलाओं को आय के वैकल्पिक स्रोत के रुप में सहायता मिली है ,

खास तौर पर स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को। किसान और विक्रेता बाज़ारों तक पहुँच पाए, समुदाय के सदस्य रियायती किराए का लाभ उठा पाए , और स्कूलों, अस्पतालों तक पहुँच पाए; और दूरदराज के इलाकों में कार्यस्थलों पर जाना पहले से कहीं ज़्यादा आसान हो गया।

(v) एजीईवाई से प्राप्त एक अन्य प्रमुख लाभ यह है कि यह योजना अपने वाहनों के माध्यम से देश के दूरदराज के गांवों को जोड़ने में सक्षम है।

*****